6. कोष प्रवाह विवरण को व्यावसायिक, प्रतिष्ठानों द्वारा तैयार किये जाते हैं, जबकि स्थिति-विवरण [illegible] [illegible] अथवा [illegible] संस्थाओं की व्यवस्था के तैयार किया जाता है।

प्रत्येक व्यावसायिक, प्रतिष्ठान द्वारा तैयार किया जाता है।

७ कोष-प्रवाह स्थिति-विवरण तलपट और अन्य लेखा खातों की सहायता से तैयार किया जाता है, जबकि स्थिति विवरण तलपट और अन्य समायोजनों की सहायता से तैयार किया जाता है।

८. कोष प्रवाह विवरण का क्षेत्र सीमित है क्योंकि यह केवल कार्यशील पूंजी में परिवर्तन को दर्शाता है। जबकि स्थिति-विवरण का क्षेत्र विस्तृत है क्योंकि यह व्यवसाय की स्थिति को दर्शाता है।

The End

By Dr S.K. Sharma, Associate Professor,
R.N. College, Pandaul.

Scanned with CamScanner